सत्यमेव जयते

Welcome address by the Ambassador of India, H.E. Subhash Gupta on the occasion of Phagwa/Holi Celebration

[3 March Bharat Bhawan, Paramaribo]

Representative of the President of the Republic of Suriname, Her Excellency Ms. Lalinie Gopal, Minister of Youth Development and Sports,

H.E.Mr. Dirk Currie, Minister of Education, Science and Culture,

His Excellency Mr. Patrick Brunings, Minister of Oil, Gas and Environment,

Members of Parliament, Fellow Ambassadors, Members of the Diplomatic Corps, Distinguished members of the Indian diaspora, Friends of India, Ladies and Gentlemen,

Namaskar, Good Morning, It is my great honour to welcome you all to Bharat Bhawan India House today as we celebrate Phagwa-Holi, the festival of colours and joy. Your presence adds warmth to this blissful celebration, which is also coincides with a yearlong celebration marking the Golden Jubilee, the 50th anniversary of the establishment of diplomatic relations between India and Suriname.

आप सभी का भारत भवन, इंडिया हाउस में हार्दिक स्वागत करना मेरे लिए अत्यंत सम्मान की बात है, जहाँ हम आज फगवा–होली, रंगों और आनंद के इस पावन उत्सव को मना रहे हैं। आपकी उपस्थिति इस शुभ अवसर को और भी गरिमामय बनाती है, विशेषकर ऐसे समय में जब हम भारत और सूरीनाम के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के **स्वर्ण जयंती वर्ष—50वीं वर्षगांठ** का वर्षभर चलने वाला उत्सव भी मना रहे हैं।

In our traditions, Holi carries layers of meaning derived from history, scripture, and the rhythms of agrarian life. It commemorates the victory of devotion to tyranny of King Hiranyakshayp through the story of Prahlad and Holika, reminding us… Satyamev Jayate, the truth always prevails. It also celebrates the divine love of Krishna and Radha, whose playful throwing of colours symbolises affection, and the celebration of human relationships. Holi further marks the arrival of Vasant, the spring season, when communities in India's agrarian society traditionally rejoiced after the harvest, offering gratitude for nature's abundance and praying for prosperity in the year ahead.

हमारी परंपराओं में होली इतिहास, शास्त्रों और कृषि–आधारित जीवन की लय से उपजी अनेक परतों वाला उत्सव है। यह भक्त प्रह्लाद और होलिका की कथा के माध्यम से राजा हिरण्यकशिपु के अत्याचार पर **भक्ति और सत्य की विजय** का स्मरण कराती है—*सत्यमेव जयते,* सत्य सदैव विजयी होता है। यह श्रीकृष्ण और राधा के दिव्य प्रेम का भी उत्सव है, जिनके रंग–रास और हंसी–ठिठोली मानवीय संबंधों की मधुरता और स्नेह का प्रतीक हैं। होली वसंत ऋतु के आगमन का भी सूचक है—वह समय जब भारत के कृषक समुदाय परंपरागत रूप से फसल कटाई के बाद प्रकृति की समृद्धि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते थे और आने वाले वर्ष की समृद्धि की कामना करते थे।

This is a moment of pride, reflection, and reaffirmation of our deep and enduring friendship flourishing over centuries. Phagwa is one of the most vibrant symbols of the cultural bridge between our two nations. When the first Indian ancestors arrived in Suriname more than 150 years ago, they brought with them not only their values, but also their festivals, languages, folklore and value system.

यह अवसर हमारे लिए गर्व, आत्मचिंतन और सदियों से फलते-फूलते हमारे गहरे और स्थायी मैत्री संबंधों के पुनःस्मरण का भी है। फगवा हमारे दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का सबसे जीवंत प्रतीक है। जब 150 वर्ष से भी अधिक समय पहले भारतीय पूर्वज सूरीनाम आए, तो वे अपने कौशल के साथ-साथ अपने त्योहार, भाषाएँ, लोक-परंपराएँ और मूल्य-व्यवस्था भी साथ लाए। इनमें फगवा हमारी साझा संस्कृति का एक अद्भुत उदाहरण है। हिंदुस्तानी समुदाय ने अपनी समृद्ध परंपराओं के साथ इस सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और समृद्ध करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है।

Among these, Phagwa is a remarkable example of our shared culture. And the Hindostani community, with its rich traditions, has played a central role in nurturing and enriching this cultural treasure. Indian diaspora has been a living bridge connecting India and Suriname through heritage, music, cuisine, spirituality, and shared values. Their contributions continue to strengthen our bilateral ties and deepen our people-to-people bonds. Phagwa in Suriname is not just a festival; it is an unforgettable experience, which may be feel in rhythmic Chowtal, groups singing age old melodies, the soulful Baithak Gana, blending Bhojpuri roots with Surinamese creativity, the aroma of Indo-Surinamese cuisine; roti, bara, phulauri and other delicacies that have become part of the Surinamese palate.

भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और सूरीनाम के बीच एक **जीवंत सेतु** रहा है—जो विरासत, संगीत, भोजन, आध्यात्मिकता और साझा मूल्यों के माध्यम से दोनों देशों को जोड़ता है। उनके योगदान हमारे द्विपक्षीय संबंधों को निरंतर सुदृढ़ करते हैं और जन-से-जन के संबंधों को और गहरा बनाते हैं। सूरीनाम में फगवा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि एक अविस्मरणीय अनुभव है—लयबद्ध चौताल, प्राचीन धुनें गाते समूह, भोजपुरी जड़ों और सूरीनामी सृजनशीलता का संगम बइठक गाना, और इंडो-सूरीनामीज़ व्यंजनों—रोटी, बारा, फुलौरी और अन्य पकवानों की सुगंध—जो अब सूरीनाम के स्वाद का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।

Today, Holi is celebrated across the world. It has become a global symbol of the triumph of good over evil, the renewal of hope, the joy of togetherness, and the celebration of diversity. As we celebrate Phagwa and the Golden Jubilee of our diplomatic relations, we honour a partnership built on shared democratic values, cultural affinity, development cooperation, and deep mutual respect. Our collaboration spans culture, health, technology, education, capacity building, and people centric development. On this joyous occasion, I extend my heartfelt appreciation to all community organizations, cultural organizations, artist who keep the spirit of Phagwa alive here in Suriname. Your dedication ensures that the legacy of our ancestors continues to inspire future generations. I also extend my sincere thanks to the Emabassy team who put their tireless efforts into this celebration May the colours of Phagwa

bring happiness, harmony, and peace in our life. May the friendship between India and Suriname continue to flourish forever.

आज होली पूरे विश्व में मनाई जाती है। यह अच्छाई की बुराई पर विजय, आशा के पुनर्जागरण, एकता के आनंद और विविधता के उत्सव का वैश्विक प्रतीक बन चुकी है। जब हम फगवा और अपने राजनयिक संबंधों की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, तब हम उन साझी लोकतांत्रिक मूल्यों, सांस्कृतिक निकटता, विकास सहयोग और गहरे पारस्परिक सम्मान को भी नमन करते हैं, जिन पर हमारी साझेदारी आधारित है। हमारा सहयोग संस्कृति, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, क्षमता निर्माण और जन–केंद्रित विकास जैसे अनेक क्षेत्रों में विस्तृत है।

इस हर्षोल्लास के अवसर पर, मैं उन सभी सामुदायिक संगठनों, सांस्कृतिक संस्थाओं और कलाकारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जो सूरीनाम में फगवा की इस परंपरा को जीवंत बनाए रखते हैं। आपकी निष्ठा सुनिश्चित करती है कि हमारे पूर्वजों की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे। मैं इस आयोजन में अथक परिश्रम करने वाली दूतावास टीम का भी हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

फगवा के रंग हमारे जीवन में सुख, सद्भाव और शांति लेकर आएँ। भारत और सूरीनाम की मित्रता यूँ ही सदा–सर्वदा प्रगाढ़ होती रहे।

Phagwa ki hardik shubhkamnayein. Shubh Holi. A colourful Phagwa to all. Dhanyavaad. Jai Bharat Jai Suriname

फगवा की हार्दिक शुभकामनाएँ। शुभ होली। आप सभी को रंगों से भरा फगवा। धन्यवाद। जय भारत। जय सूरीनाम।